

## परिमडि नरिमाण में नील नदी की वलिप्त शाखा का महत्त्व

**स्रोत: द हट्टि**

हाल ही में एक अध्ययन में नील नदी की एक प्राचीन शाखा की खोज की गई है, जो मसिर के परिमडिों तक श्रमकिों और सामग्रियों के परविहन में सहायता करती थी, जो अब आधुनिक परदृश्यों के नीचे दफन हो गई है।

- शोधकर्त्ताओं ने अब लुप्त हो चुकी नील नदी की अहरामत शाखा के मार्ग का पता लगाने के लिये उपग्रह चतिरों, हाई-रजिऑल्यूशन डजिटल उन्नयन डेटा और ऐतहासकि मानचतिरों सहति प्रौद्योगकिियों का उपयोग कयि।

### अध्ययन की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- लशित (गांव) से गीजा (शहर) तक एक पूरव में अज्जात नील चैनल, अहरामत शाखा का रहस्योद्घाटन, परिमडि नरिमाण के लिये श्रमकिों और सामग्रियों के परविहन में इसकी महत्त्वपूरण भूमकिा को उजागर करता है तथा उनके भौगोलकि एवं तार्ककि पहलुओं के संबंध में अंतरदृष्टि प्रदान करता है।
- अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परविर्तन, टेकटोनकि परविर्तन व मानवीय गतविधियों जैसी प्राकृतकि घटनाओं के साथ-साथ मरुस्थलीकरण और वरषा में परविर्तन जैसे पर्यावरणीय कारकों ने समय के साथ नील नदी के परदृश्य एवं शाखाओं को बदल दयि है, जसिसे क्षेत्त्र की पारसिथतिकी और जल प्रणालियों प्रभावति हुई हैं।

### मसिर के परिमडिों के संबंध में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- मसिर के परिमडि विशाल, प्राचीन पत्थर की संरचनाएँ हैं, जो पुराने साम्राज्य (लगभग 2700-2200 ईसा पूरव) और मध्य साम्राज्य काल (2050-1650 ईसा पूरव) के दौरान फराओ (प्राचीन मसिर के शासकों) तथा महत्त्वपूरण हस्तियों की कबरों के रूप में बनाई गई थी।
- मसिर में 118 से अधिक परिमडिों की पहचान की गई है, लेकनि सबसे प्रसदिध गीजा के तीन परिमडि हैं:
  - गीजा का महान परिमडि: प्राचीन वशि्व के सात अजूबों में से सबसे पुराना और अब तक का सबसे बड़ा परिमडि। इसका नरिमाण फराओ खुफु (चेओप्स) के लिये कयि गया था।
  - खफरे (शेफरेन) का परिमडि: यह परिमडि अपने अधिक तीखे कोण तथा पास में स्थति मानव सरि और सहि के शरीर वाली विशाल मूर्त्तकी उपस्थति के कारण महान परिमडि से बड़ा प्रतीत होता है।
  - मेनकौर का परिमडि (माइसेरनिस): गीजा के तीन मुख्य परिमडिों में से यह सबसे छोटा है, जसि फराओ मेनकौर के लिये बनाया गया था।

### नील नदी:

- नील नदी भूमध्य रेखा के दक्षणि में बुरुंडी, अफ्रीका से नकिलती है।
- पूरवोत्तर अफ्रीका से उत्तर की ओर बहती हुई नील नदी भूमध्य सागर में अपने अंतमि बट्टि पर पहुँचने से पूरव मसिर तथा 10 अन्य अफ्रीकी देशों, जनिमें बुरुंडी, तंजानयि, रवांडा, कांगो लोकतांत्रकि गणराज्य, केन्या, युगांडा, सूडान, इथियोपयि और दक्षणि सूडान शामिल हैं, से होकर गुजरती है।
- नील नदी तीन प्रमुख धाराओं से मलिकर बनी है- बलू नील, अटबारा जो इथियोपयि के ऊँचे इलाकों से बहती है तथा व्हाइट नील जसिकी मुख्य धाराएँ वकिटोरयि और अलबर्ट झीलों में जाकर गरिती हैं।
- नील नदी वशि्व की सबसे लंबी नदी है, जसि अफ्रीकी नदियों का पिता कहा जाता है।



//

## UPSCसविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. नमिनलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि : (2020)

नदी	में जाकर मलिती है
1. मेकोंग	- अण्डमान सागर
2. थेम्स	- आयरशि सागर

3. वोल्गा - कैस्पियन सागर  
4. जम्बेज़ी - हदि महासागर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2  
(b) केवल 3  
(c) केवल 3 और 4  
(d) केवल 1,2 और 4

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/lost-nile-branch-key-to-pyramid-construction>

